पूनम को 9 स्वर्ण व 1 रजत पदक

बीकानेर, (कासं)। कृषि विभाग द्वारा 34 वीं राज्य स्तरीय कृषि विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता 8 से 11 जनवरी तक राजस्थान कृषि महाविद्यालय उदयपुर में आयोजित की गई।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक कैलाश चौधरी ने बताया कि राज्य स्तरीय कृषि विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बीकानेर से मैनेजर उपनिदेशक हरीश चन्द्र सोनी व सहायक मैनेजर श्याम सुन्दर अग्रवाल सांख्यिकी अधिकारी के नेतृत्व में कृषि विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों नें हिस्सा लिया। कृषि अधिकारी मुकेश गहलोत ने बताया कि 34 वीं राज्य स्तरीय कृषि विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता एथलेटिक्स में बीकानेर महिला टीम का प्रभावी प्रदर्शन रहा।

सोढवाली की कृषि पर्यवेक्षक पूनम बिजारणियां का एथलेटिक्स में दबदबा रहा। एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पूनम ने 9 स्वर्ण व 1 रजत पदक पर किया कब्जा। इनमें 100 मी., 200 मी., 400 मी.,1500 मीटर रेस, रिले रेस, लम्बी कूद, डिस्क थ्रो, जेवलिन थ्रो, शॉट पुट में पूनम बिजारणियां को स्वर्ण पदक मिला। वहीं टेबल टेनिस में रजत पदक मिला। रिले रेस में पूनम के साथ सविना, शैली व दीपाली को भी स्वर्ण पदक मिला। राकेश विश्नोई, पूना व दीपा चौधरी को ग्रुप डांस में रजत पदक मिला। आगामी 35 वीं कृषि विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन जयपुर में किया जायेगा। सहायक निदेशक सुभाष विश्नोई ने कहा कि पूनम बिजारणियां नें कृषि विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता में 9 स्वर्ण जीत कर कृषि विभाग बीकानेर का नाम रोशन किया है।

ऊंट उत्सव के दूसरे दिन ऊंटों ने दिखाए हैरतंगेज करतब

बीकानेर,(कासं)। अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव के दूसरे दिन ऊंट के करतब देसी विदेशी सैलानियों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र रहे। शनिवार को हुए कार्यक्रमों की श्रृंखला में एनआरसीसी परिसर में ऊंटों की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें ऊंट नृत्य, ऊंट दौड़, साज सज्जा, फर कटिंग सहित अन्य रोमांचक प्रतियोगिताओं का सैलानियों ने खूब लुत्फ उठाया।

राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र

■ **राजस्थानी लोक धुन पर ऊंटों ने ऊंची छलांगे, तो कभी नृत्य कर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा**

परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में देसी विदेशी सैलानी पहुंचे। राजस्थानी लोक धुन पर ऊंटों ने ऊंची छलांगे, तो कभी नृत्य कर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। पारंपरिक ऊंट सज्जा फर कटिंग की कलाओं को भी सैलानियों ने खूब सराहा। परिसर में हर तरफ सजे धजे ऊंटों की चमक हर किसी को बरबस ही अपनी और खींच रही थी। यहां पहुंचे लोग ऊंटों की सवारी करने के साथ-साथ सेल्फी लेते भी नजर आए।

जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि और पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर ने ऊंट उत्सव के दूसरे दिन एनआरसीसी में आयोजित कार्यक्रमों का अवलोकन किया। उन्होंने यहां सैलानियों के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली और विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों की ओर से लगाये गए स्टॉल्स का भी निरीक्षण किया। वृष्णि ने कहा कि यहां पहुंच रहे सैलानियों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो यह सुनिश्चित किया जाए।

इस दौरान निगम आयुक्त मयंक मनीष, बीकानेर विकास प्राधिकरण की सचिव अपर्णा गुप्ता, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहन लाल, अतिरिक्त जिला कलेक्टर रमेश देव, उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र निदेशक समर कुमार घोरूई, पूर्व निदेशक डॉ आर. के. सांवल, पर्यटन विभाग के उप निदेशक अनिल राठौड़ और जिला पर्यटन अधिकारी पवन शर्मा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। राजस्थानी पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी जापान की मेगूमी के साथ स्थानीय पर्यटक फोटो खींचते नजर आए। एनआरसीसी की ओर से ऊंट के दूध से बने विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी और स्टॉल्स भी सैलानियों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही।

देसी विदेशी पर्यटक ऊंट के दूध से बनी आइसक्रीम, कॉफी का आनंद लेते नजर आए। कार्यक्रम का संचालन संजय पुरोहित और किशोर सिंह राजपुरोहित ने किया। इस दौरान आयोजित ऊंट साज सज्जा प्रतियोगिता में लक्ष्मण प्रथम स्थान, इमरान दूसरे, मगाराम तीसरे स्थान पर रहे।

ऊंट दौड़ प्रतियोगिता में भागीरथ, अकरम तथा अरमान क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। ऊंट फर कटिंग में प्रथम स्थान पर जापान की मेगूमी, श्रावण द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर हरिराम रहे। ऊंट नृत्य प्रतियोगिता में धर्मेन्द्र प्रथम, शिशुपाल द्वितीय तथा महेन्द्र सिंह तीसरे स्थान पर विजेता रहे।

अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव के दूसरे दिन एन.आर.सी.सी. में ऊंटों ने राजस्थानी लोक धुन पर नृत्य कर हैरतंगेज करतब दिखाए।

दुष्कर्म मामले में 20 साल की सजा

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिला मुख्यालय पर दो विशेष न्यायालयों ने दो दोषियों को क्रमशः 20-20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

एक मामला पोक्सो कोर्ट संख्या दो का और दूसरा मामला एनडीपीएस कोर्ट का है। दोषियों पर एक लाख 40 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। एनडीपीएस कोर्ट के एसपीपी विजेन्द्र घिंटाला ने बताया कि एनडीपीएस घटक की 4700 गोलियों की तस्करी का दोषी करार देते हुए 4 बी बड़ी निवासी बलविंद्र सिंह उर्फ पारस पुत्र हरबंस सिंह को 20 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है।

न्यायाधीश अजय कुमार भोजक ने दोषी पर एक लाख रूपए का अर्थदंड भी लगाया है। दोषी की ओर से जुर्माना अदालत में जमा नहीं करवाया गया तो उसे दो साल तक ज्यादा जेल भोगनी होगी। एसपीपी घिंटाला ने बताया कि दोषी करार दिए गए बलविंद्र सिंह को हिन्दुमलकोट एसएचओ रमेश सर्वटा ने 11 अगस्त 2017 को गश्त के दौरान पकड़ा था।

दोषी करार दिया गया युवक घटना की शाम को पैदल ही जा रहा था। उसके पास 94 रैपर में नशे के काम ली जा रही प्रतिबंधित घटक की गोलियां बरामद की गई थीं। प्रत्येक रैपर में 50 गोलियों की पैकिंग थी। दोषी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का केस दर्ज कर कोर्ट में चालान पेश किया गया था। पुलिस द्वारा बरामद की गई नशे की गोलियों का शुद्ध वजन 705 ग्राम पाया गया था। दूसरे मामले में किशोरी से दुष्कर्म का दोषी पाए जाने पर 20 साल के युवक को 20 साल के कठोर कारावास से दंडित किया गया है।

सार-समाचार

शिविर में 65 यूनिट रक्तदान

एस.के.आर.यू. में आयोजित शिविर में छात्र-छात्राओं व स्टाफ ने रक्तदान किया।

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में नववर्ष के उपलक्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से विद्या मंडप सभागार में आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 65 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदान में कृषि महाविद्यालय, आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक स्टॉफ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कुलपति डॉ अरूण कुमार और कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने रक्तदान शिविर में विजिट कर विद्यार्थियों की हौसला अफजाई की और रक्तदान करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है। अगर हमारे दिए हुए रक्त से किसी की जान बचती है तो इससे बड़ा कोई पुण्य का कार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मनुष्य को समय समय पर रक्तदान में हिस्सा लेना चाहिए। यह एक बड़ी मानव सेवा है। कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि स्टूडेंट्स लाइफ से ही रक्तदान करने से विद्यार्थियों में रक्तदान को लेकर एक अच्छी आदत का विकास होगा। साथ ही नववर्ष पर रक्तदान शिविर का आयोजन कर कृषि विश्वविद्यालय में नई परंपरा की शुरूआत की गई है। जो सुखद पहल है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया ने बताया कि कुलपति डॉ अरूण कुमार के निर्देशानुसार कृषि विश्वविद्यालय में नववर्ष के उपलक्ष में पहली बार रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। पीबीएम अस्पताल ब्लड बैंक से आए उपनिदेशक डॉ कुलदीप मेहरा के नेतृत्व में टीम ने रक्त संग्रहित किया। रक्तदान से पूर्व सभी विद्यार्थियों का वेट और हीमोग्लोबिन चैक करने के बाद ही विद्यार्थियों का रक्त लिया गया। आईएबीएम की सहायक आचार्य डॉ अदिति माथुर और सहायक आचार्य डॉ विवेक व्यास ने भी रक्तदान किया। रक्तदान शिविर आयोजन में छात्र कल्याण निदेशालय के किशन सिंह, मुकेश कुमार और गुरमेल का विशेष सहयोग रहा।

तकनीकी प्रदर्शनी आयोजित

बीकानेर कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने एन.आर.सी.सी. द्वारा लगाई तकनीकी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र बीकानेर द्वारा आज अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव के दौरान तकनीकी प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 16 सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों ने अपनी सहभागिता निभाई। एनआरसीसी के कैमल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित ऊंट उत्सव के तहत प्रतियोगितों में देशी व विदेशी पर्यटकों एवं आमजन में खासा उत्साह देखा गया। अनुमानित 10-12 हजार पर्यटकों ने एनआरसीसी में इस उत्सव का लुत्फ उठाया। एनआरसीसी द्वारा आयोजित इस तकनीकी प्रदर्शनी कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नम्रता वृष्णि, जिला कलेक्टर बीकानेर द्वारा किया गया। कलेक्टर ने प्रदर्शनी स्टॉल का अवलोकन करते हुए प्रतिभागी संस्थान, संगठनों को प्रोत्साहित किया तथा कहा कि ऊंट पशुपालकों, किसानों एवं आमजन के हितार्थ नूतन प्रौद्योगिकी एवं नवाचार को ऐसे अनेक माध्यमों से प्रचारित-प्रसारित किया जाना समय की मांग है ताकि जरूरतमंद पशुपालक, किसानों एवं आमजन इनसे लाभान्वित हो सकें तथा यह आमदनी का जरिया भी बनें।

पर्यावरण संरक्षण की नसीहत दी

बीकानेर, (कासं)। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सादुल बीकानेर के डॉ. कलाम सभागार में हरित विद्यालय गतिविधियों के अंतर्गत विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत शिक्षाविद एवं प्रधानाचार्य गोमाराम जीनगर के द्वारा भारतीय जीवन शैली और परम्पराओं में पर्यावरण संरक्षण विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। व्याख्यान देते हुए गोमाराम नें कहा कि घर परिवार में पेड़ पौधों और पर्यावरण की समझ विकसित करनी आवश्यक है। अगर हम नहीं संभले तो मानवता संकट में आ सकती है। हमारी पारंपरिक जीवन शैली तुलसी-पीपल-आंवला आदि के माध्यम से हर घर-मोहल्ले में पर्यावरण संरक्षण करना सिखाती है। भारतीय परम्पराओं में चींटी से लेकर चिड़िया तक सभी के लिए भोजन-जीवन का अस्तित्व है। क्योंकि पर्यावरण का अस्तित्व सभी जीवों के सामूहिक अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि परिवार और कुटुंब को आपसी चर्चा और चिंतन करके नियमित रूप से पर्यावरण और सामाजिक विकास के लिए सामूहिक ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए। मुख्य अतिथि राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय बीकानेर के सहायक कुलसचिव राजेश कुमार व्यास थे। व्यास नें युवाओं द्वारा राष्ट्र और समाज के लिए अपने योगदान को पर्यावरण और नैतिकता के लिए संजोने का आव्हान किया।

खाटूश्याम धाम में मेला शुरू

श्रीगंगानगर, (कासं)। सुदामा नगर स्थित सिद्ध धाम श्रीखाटूश्याम श्याम धाम मंदिर में तीन दिवसीय श्रीश्याम पुत्रदा एकादशी मेला प्रारंभ हो गया। मंदिर में अल सुबह से ही श्याम श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। आता हूं दरबार हर ग्यारस पर, मिलती है तनख्वाह मुझे बारस पर... भजनों पर नाचते गाते श्रद्धालुओं ने हजारों ध्वजाएं बाबा श्याम को अर्पित कर खुशहाली की मन्नतें मांगी। मंदिर के सेवादार संदीप शेरेवाला ने बताया कि पुत्रदा एकादशी के उपलक्ष में बाबा श्याम का श्रृंगार रंग बिरंगे कोलकाता के फूलों से किया गया। पूरे मेले के दौरान हजारों ध्वजाएं मंदिर प्रांगण में श्रद्धालु अपने हाथों में लेकर पहुंचते हैं।

ई-वे बिल से अवैध खनन-ओवरलोडिंग को बढ़ावा मिलेगा

बीकानेर,(कासं)। सरकार ने खनिज परिवहन पर डीलर की ओर से जारी किया जाने वाला ट्रांजिट पास (टीपी) को बंद कर ई-वे बिल लागू कर दिया जिसमें बड़े स्तर पर खामियां रहने से अवैध खनन और ओवर लोडिंग को बढ़ावा मिलेगा।

राज्य के खान एवं भूविज्ञान विभाग ने तीन जनवरी, 25 को अधिसूचना जारी कर राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली 2017 के नियम 92 में बदलाव कर डीलर्स/स्टॉकिस्ट की ओर से जारी टीपी की अनिवार्यता बजरी (रिवर सेंड), मैसनरी स्टोन, गिट्टी, ग्रिट, क्रेशर डस्ट (एमसेंड) के अलावा अन्य खनिजों पर खत्म कर दी। छह जनवरी से अचानक टीपी बंद कर उसकी जगह ई-वे बिल लागू कर दिया गया। सरकार ने ग्राउंड स्तर पर जानकारी जुटाए बिना ही ई-वे बिल की नई व्यवस्था लागू कर दी जिससे इतनी

■ **जमीनी स्तर पर तैयारी बिना ही खनिज परिवहन के लिए लागू कर दिया ई-वे बिल**

खामियां रह गई कि अवैध खनन और ओवरलोडिंग को बढ़ावा मिलेगा।

पूर्व में टीपी कंफर्म होने पर गाड़ी फोटो, वाहन में भरा खनिज और उसका भार, कांटे का नाम सहित पूरा विवरण खान अधिकारियों के सामने आ जाता था। लेकिन ई-वे बिल में यह व्यवस्था नहीं होने के कारण अवैध खनन और ओवरलोडिंग का पता ही नहीं चलेगा और डीलर, वाहन मालिक इसका जमकर फायदा उठायेंगे। इसके अलावा अब रॉयल्टी चोरी भी होगी, क्योंकि पूर्व में ईटीपी से पता चल जाता था कि जिस डीलर से माल लाया गया है वह रॉयल्टी पेड हे या नहीं। ई-वे बिल में ऐसी कोई जानकारी नहीं होगी और रॉयल्टी ठेकेदार को यह अधिकार नहीं होता कि वह डीलर के स्टॉक माल की जानकारी और उससे पूछताछ कर सके। खान विभाग के अधिकारी भी चैक करेंगे तो यह पता चलेगा कि डीलर के पास कितने टन माल और मौके पर कितना है, लेकिन बेचे गए माल की जानकारी नहीं मिल पायेगी।

इसके अलावा एक जनवरी, 20 को ओवर लोडिंग पर लगाम के लिए पूर्व में साफ्टवेयर के जरिये परिवहन और खान महकमों को लिंकअप किया गया था जिससे कि गाड़ी में ओवरलोड माल भरते ही परिवहन अधिकारियों को पता चल जाता था। लेकिन ई-वे बिल में ऐसा कोई प्रावधान ही नहीं रखा गया। व्यापारी और गाड़ी मालिकों को ओवर लोडिंग से मुनाफा होता है। ऐसे में ओवरलोडिंग की जायेगी।

स्वामी विवेकानंद जयंती मनाई

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष में श्री जैन कन्या पीजी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों के द्वारा आज स्वामी विवेकानंद जयंती मनाई गई।

रासेयो प्रभारी डॉ राजेंद्र जोशी ने स्वामी जी विचारों पर व्याख्यान दिया व्याख्याता विशाल सोलंकी ने स्वामी के ज्ञान भक्ति और कर्म की त्रिवेणी और आध्यात्म पर विचार प्रस्तुत किये। पल्लवी चौहान ने युवाओं को स्वामी के विचारों से प्रेरणा लेकर स्वयं को मानसिक रूप से मजबूत बनने की बात कही। डॉ दीपाली व्यास ने कहा कि स्वामी जी भारतीय संस्कृति के ब्रांड है उन्हें पहचाने और उनके विचारों को आत्मसात करना चाहिए। अरूण सक्सेना ने कहा कि स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय चरित्र है। उनके इस रूप को पहचानना जरुरी है। प्राचार्य डॉ संध्या सक्सेना ने कहा कि स्वयं के लिए नहीं बल्कि दूसरों के लिए जीने वाले और भारतीय सभ्यता संस्कृति के प्रति उनके विचारों को समझना चाहिए।

किसानों ने उठाई गंगनहर की समस्याएं

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के किसान नेताओं ने गंगनहर से जुड़ी कई समस्याएं उठाई। किसान नेताओं का कहना है कि उनकी समस्याएं सरकार जल्द से जल्द दूर करें। ऐसा नहीं होने पर किसान आंदोलन की राह पकड़ेंगे। हालांकि उन्होंने आंदोलन का कोई निर्धारित कार्यक्रम नहीं बताया लेकिन कहा कि किसानों की समस्याएं जल्द दूर होनी चाहिए।

गंगनहर के प्रोजेक्ट चेयरमैन हरविंद्रसिंह, किसान नेता रणजीत सिंह राजू, रामपाल और अन्य किसान नेताओं ने पत्रकारों से बातचीत में इस आशय की जानकारी दी। प्रोजेक्ट चेयरमैन ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि किसान वर्ष 2014 से फिरोजपुर फीडर का पुनर्निर्माण करने की मांग करते आ रहे हैं लेकिन इसकी डीपीआर अब तक धरातल पर नहीं आई है। उनका कहना था कि फिरोजपुर फीडर का पुनर्निर्माण

■ **किसानों ने कहा कि गंगनहर में मिले पूरा पानी, फिरोजपुर फीडर का हो पुनर्निर्माण**

नहीं होने से लाखों क्यूसैक पानी पाकिस्तान चला जाता है। फिरोजपुर फीडर का निर्माण करते समय पुरानी बीकानेर कैनाल को भी साफ किया जाना चाहिए। जिससे कि इसके जरिए पानी लिया जा सके। किसान नेताओं का कहना था कि हर वर्ष पंजाब गंगनहर का 700 से 1000 क्यूसेक शेयर जून से अक्टूबर के बीच लेता रहा है। इसे नवम्बर से मार्च के बीच वापस लौटाता रहा है लेकिन इस बार ऐसा नहीं किया गया। किसान नेताओं का कहना था कि गंगनहर की वितरिकाएं फिर से बननी चाहिए।

ठंड में हार्ट अटैक मरीजों की संख्या में वृद्धि

बीकानेर, (कासं)। सर्दियों का मौसम हार्ट अटैक और सीने में दर्द से संबंधित मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। पीबीएम हॉस्पिटल की हार्ट हॉस्पिटल में इन दिनों हार्ट पेशेंट्स की संख्या में 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। साथ ही हार्ट की दवाईयों की बिक्री में भी 35-40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

हार्ट हॉस्पिटल में इस समय रोजाना 400 ओपीडी मरीज आ रहे हैं, जो पहले 250 के आसपास होते थे। इसके अलावा आईसीयू और आईपीडी में भी भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि ठंड में शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ने के कारण हार्ट पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। डॉ. रांका हार्ट हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. रतन लाल रांका के अनुसार सर्दियों में हार्ट मरीजों की संख्या करीब 30 प्रतिशत बढ़ी है। लूणकरणसर तहसील के धीरेरां गांव निवासी भूराराम गोदारा ने बताया कि दो दिन पहले उसे सीने में अचानक दर्द हुआ था। शुरुआत में उसने इसे गैस समझकर दवाई ले ली, लेकिन दर्द फिर भी जारी रहा। इसके बाद वह डॉक्टर के पास गया और एंजियोग्राफी की गई। रिपोर्ट आने के बाद यह पता चला कि उसकी धमनियों में कितना ब्लॉकेज है।

सर्दी में शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ जाता है, और शरीर को गर्म रखने के लिए हार्ट को ज्यादा काम करना पड़ता है। इसके कारण रक्तचाप में वृद्धि होती है, जिससे हार्ट अटैक के मामलों में इजाफा होता है। सर्दी में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

115 बुजुर्ग जगन्नाथपुरी जायेंगे

बीकानेर, (कासं)। देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना में बीकानेर और चूरू के 115 बुजुर्ग इस बार जगन्नाथपुरी की यात्रा करेंगे।

ये बुजुर्ग 15 जनवरी को जगन्नाथपुरी के लिए जयपुर रेलवे स्टेशन से रवाना होंगे। यह ट्रेन 15 जनवरी को सुबह 8 बजे जवाई बांध से रवाना होगी जो अजमेर-जयपुर होते हुए जगन्नाथपुरी जायेगी।

बीकानेर और चूरू के बुजुर्गों के टिकट बनवाने के लिए देवस्थान विभाग बीकानेर के तीन कर्मचारी 14 जनवरी को जयपुर रवाना होंगे। वे टिकट बनवाने के लिए 15 जनवरी को जयपुर रेलवे स्टेशन पर बीकानेर और चूरू के यात्रियों के दस्तावेजों की जांच पड़ताल करेंगे।

मावठ से गेहूं, चना और सरसों की फसल को फायदा

नोखा, (कासं)। नोखा में शनिवार की सुबह मौसम बदल गया। सुबह 4 बजे से अचानक बूंदाबांदी शुरू हो गई। मौसम विभाग द्वारा पहले से जारी किए गए पश्चिमी विक्षोभ के अलर्ट के अनुरूप यह बारिश सुबह 9 बजे तक जारी रही। इस मावठ की बारिश ने जहां किसानों को राहत दी है, वहीं शहर में सर्दी का प्रकोप बढ़ा दिया है।

नोखा शहर के साथ-साथ उपखंड क्षेत्र जसरासर और पांचू में भी मावठ की बारिश दर्ज की गई। किसानों के लिए यह बारिश वरदान साबित हो रही है, क्योंकि इससे गेहूं, चना और सरसों जैसी फसलों के पकने में मदद मिलेगी। धरतीपुत्रों के चेहरों पर इस बारिश ने मुस्कान ला दी है। हालांकि शहरी क्षेत्रों

■ **पश्चिमी विक्षोभ के कारण बीकानेर संभाग में हुई बारिश फसलों के लिए वरदान**

में बारिश ने लोगों की दिनचर्या को प्रभावित किया है। सड़कों पर जमा बारिश के पानी से दोपहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा और आम नागरिकों की आवाजाही भी प्रभावित हुई। तीन दिनों के अंतराल के बाद आई इस बारिश ने आने वाले दिनों में कड़ाके की ठंड बढ़ने के संकेत दे दिए हैं।

श्रीगंगानगर। यहां शनिवार सुबह दिन की शुरुआत में बादल छाने के बाद वेस्टर्न डिस्टर्बेंस ने असर दिखाया। दोपहर होते-होते बरसात शुरू हो गई। जो पहले धीरे और फिर तेज हो गई। बरसात को ठंडी हवा का साथ मिलने से सर्दी खूब तेज हो गई। ठिठुरन से सड़कों पर निकले लोग खूब परेशान हुए। बरसात से भीगी सड़कों पर वाहन चालना मुश्किल हो रहा था।

सर्दी के असर से कंपकंपी छूट गई। सुबह दिन की शुरूआत में सर्दी के साथ मामूली हवा चलने से तेज ठंडक का अहसास हो रहा था। शॉल, कंबल, मफलर और कोट से सर्दी दूर भगाने का प्रयास करते लोग सर्दी से परेशान दिखाई दिए।

नवली गेट पर टी आकार में ओवरब्रिज की मांग, धरना 26 वें दिन भी जारी

नोखा, (कासं)। नोखा में नवली गेट ओवरब्रिज संघर्ष समिति के बैनर तले चल रहा धरना शनिवार को 26 वें दिन भी जारी रहा।

समिति के मीडिया प्रभारी एडवोकेट लेखराम चौहान ने बताया कि धरना स्थल पर आज समिति के संयोजक मगनाराम केड़ली ने नारायणराम कुम्हार सोवा, हरिराम सोमलसर, ओमप्रकाश सोवा, छोटूराम कुम्हार, पन्नाराम कुम्हार, श्रवणराम चौहान, सुनील पटीर, लालचंद रैगर, सांवरलाल सोमलसर, एडवोकेट विकास मांझू, बिशनाराम मंडा, भैराराम, पूनमचंद, बचनाराम बिश्नोई, रतनलाल छींपा, कालूराम घट्टू, जेठाराम हालू काकड़ा आदि लोगों को माला पहनाकर क्रमिक अनशन पर बैठाया। क्रमिक अनशन पर बैठने वालों ने अपना विरोध जताया और नारेबाजी करते हुए कहा कि जब तक रेलवे का एल से टी आकार में ओवरब्रिज बनाने का संशोधन लेटर नहीं आ जाता तब तक हमारा क्रमिक अनशन बढ़ता ही जायेगा। उसके बाद धरना स्थल पर पूर्व लोकसभा प्रत्याशी बीकानेर व अम्बेडकर खंडपीठ के पूर्व महानिदेशक मदन गोपाल मेघवाल आये और धरना का पूरी तरह से समर्थन किया और संबोधित करते हुए कहा कि टी आकार का ओवरब्रिज बनाने की मांग नोखा की आम जनता की है और मैं इस नोखा की जनता से अलग कैसे हो सकता हूं। मैं पूरी तरह से नोखा की जनता के साथ हूं ओर कितनी भी लम्बी लड़ाई लड़नी पड़े आप ओर हम साथ मिलकर लड़ेंगे। इस दौरान धरना स्थल को संबोधित करते हुए मगनाराम केड़ली ने बताया कि हम लोग पिछले 26 दिन से इस कड़कड़ाती ठंड में यहां बैठे कान खोलकर सुन लेना सरकार के अधिकारी अगर टी आकार के अलावा यहां अगर मशीन चली ना तो वो हमारे सीने के ऊपर से चलेगी।

नोखा में नवली गेट ओवरब्रिज संघर्ष समिति के धरने को संयोजक मगनाराम केडली ने संबोधित किया।

■ **बीकानेर से लोकसभा प्रत्याशी मदन गोपाल मेघवाल ने धरने को समर्थन दिया**

अश्व अनुसंधान के लिए एम.ओ.यू.

बीकानेर, (कासं)। अभियांत्रिकी महाविद्यालय बीकानेर और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के बीकानेर स्थित केन्द्र राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र बीकानेर के बीच साझा रिसर्च और लर्निंग प्रोग्राम के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

एमओयू आज बीटीयू कुलपति प्रो. अजय कुमार शर्मा की उपस्थिति में साइन किया गया है। एमओयू पर ईसीबी बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. ओमप्रकाश जाखड़ ने हस्ताक्षर किए तथा राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान संस्थान बीकानेर की ओर से हस्ताक्षर डॉ. टी.के. भट्टाचार्य निदेशक, आईसीएआर-नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन इक्विन्स हिसार ने किया। समारोह में प्रो अजय कुमार शर्मा, बीटीयू कुलपति, अश्व अनुसंधान केन्द्र बीकानेर के क्षेत्रीय परिसर इक्विन प्रोडक्शन कैम्पस के प्रमुख और प्रिंसिपल वैज्ञानिक डॉ. एस. सी. मेहता भी मौजूद थे।

उत्तर पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना

सूचनाः 34245417A दिनांकः 10.01.2025 वरि. मण्डल सामग्री प्रबन्धक, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, बीकानेर, भारत के राष्ट्रपति के लिए एंव उनकी और से ई-निविदा संख्या-34245417A जिसकी बन्द होने की तारीख 31.01.2025 को 14.25 बजे तक रहेगी, आमंत्रित कर रहे है। निविदाकार निविदा बन्द होने की तारीख एंव समय तक ही अपनी मूल/संशोधित निविदा प्रस्तुत कर पायेंगे। मैन्यूअल (ई-निविदा के अलावा) प्रस्ताव इस निविदा के विरूद्ध मान्य नही होंगे। इस तरह के मैन्यूअल प्रस्तावों पर ध्यान नहीं दिया जायेगा। 1. आपूर्ति का विवरण : Scotch Block Assembly for BWTB/BOMN type wagons 2. मात्रा : 4600 Nos. 3. निविदा प्रस्तुत करने की दिनांक एंव समय : ई-निविदा को दिनांक 31.01.2025 को 14.25 बजे तक प्रस्तुत किया जा सकता है। 4. वेबसाइट विवरण : www.ireps.gov.in 45-CR/25

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना

सूचनाः 34245409A दिनांकः 10.01.2025 वरि. मण्डल सामग्री प्रबन्धक, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, बीकानेर, भारत के राष्ट्रपति के लिए एंव उनकी और से ई-निविदा संख्या-34245409A जिसकी बन्द होने की तारीख 31.01.2025 को 14.25 बजे तक रहेगी, आमंत्रित कर रहे है। निविदाकार निविदा बन्द होने की तारीख एंव समय तक ही अपनी मूल/संशोधित निविदा प्रस्तुत कर पायेंगे। मैन्यूअल (ई-निविदा के अलावा) प्रस्ताव इस निविदा के विरूद्ध मान्य नही होंगे। इस तरह के मैन्यूअल प्रस्तावों पर ध्यान नहीं दिया जायेगा। 1. आपूर्ति का विवरण : Secondary Lashing Chain 2. मात्रा : 3574 Nos. 3. निविदा प्रस्तुत करने की दिनांक एंव समय : ई-निविदा को दिनांक 31.01.2025 को 14.25 बजे तक प्रस्तुत किया जा सकता है। 4. वेबसाइट विवरण : www.ireps.gov.in 44-CR/25

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें